Date ____
Page ____

Wind Energy in India.

वायु के वेग से प्राप्त या ऊर्जा यानी पवन ऊर्जा से टरबाइनें चलाकर विद्युत पैदा की जा सकती है। देश में लगभग 30 हजार मेगावाट पवन ऊर्जा की सम्भावित क्षमता है। भारत सरकार ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्र में पवन ऊर्जा रूपान्तरण प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन दे रही है। इनका उपयोग विद्युत आपूर्ति के अतिरिक्त पानी के पम्प आदि चलाने के लिए भी किया जाता है। सरकार पवन से ऊर्जा बनाने की दिशा में प्रयासरत है। "राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगशाला" बंगलौर ने कुछ पवन चक्कियाँ लगाई हैं जिनसे विद्युत पैदा की जा सकती है। वर्तमान में इसका परीक्षण किया जा रहा है। भारत में कुल 5340 मेगावाट क्षमता है जिसमें 1430 मेगावाट का सृजन सन् 2005 के दौरान किया गया था। विश्व में पवन ऊर्जा का 125 मेगावाट का सबसे बड़ा संयंत्र कर्नाटक में है।

बायोमास जैव पदार्थ गैसीकरण कार्यक्रम :

बायोमास के अन्तर्गत प्रमुख रूप से गन्नावन लकड़ी की विभिन्न प्रजातियाँ और कृषि अवशिष्ट आते हैं। मार्च 2004 के अन्त तक कुल मिलाकर 36.50 लाख बायोगैस संयत्र स्थापित किये जा चुके हैं।

जो समान्य प्रति वर्ष 30 लाख ईंधन लकड़ी के बराबर ईंधन गैस पैदा करते है।
भारत मे इस क्षेत्र मे 3.7 किलोवाट से 100 किलोवाट तक क्षमता वाले गैसीफायर विकसित किए जा चुके है।
बायोमास गैसीफायर द्वारा दूरदराज के क्षेत्रो मे विद्युतीकरण की व्यापक संम्भावनाएँ है।

ज्वारीय ऊर्जा :—

समुद्री लहरो से विद्युत् बनाने का भारत का पहला संयन्त्र केरल मे विझिंजम तट पर लगाया गया है।
इस संयन्त्र की उत्पादक क्षमता 150 मेगावाट विद्युत् उत्पादन की है।
कच्छ की खाड़ी मे भी एक ज्वारीय विद्युत् उत्पादक संयन्त्र स्थापित किया गया है।
संयन्त्र की संस्थापित उत्पादन क्षमता 900 मेगावाट की है।
'नेशनल पॉवर कारपोरेशन' द्वारा किया गया है।